

INVESTMENT AVENUES®

इन्वेस्टमेंट एवेन्यूस

भोपाल, शनिवार, 10 से 16 फरवरी 2024

भोपाल, मध्यप्रदेश से प्रकाशित

वर्ष-11

अंक- 41

पृष्ठ-8

मूल्य- रु. 5/-

कामकाजी महिलाओं व लड़कियों को पांच-सात वर्ष में लेना है अपना सपनों का घर तो अभी करें यह काम

भोपाल। घर एक सपना, सभी का होता है। भले ही फाइनेंशियल अडवायजर किराए को भी किन्हीं खास परिस्थितियों में मकान खरीदने से बेहतर विकल्प मानने पर जोर देते हैं, लेकिन हम भारतीय मिडिल क्लास के लिए घर का सपना आज भी एक बहुत बड़ा सपना है। इसे पूरा करने के लिए हम जी जान लगा देते हैं। यह बात स्त्री पुरुष दोनों पर ही लागू होती है। बदलते दौर में जब स्त्रियां अपनी मजबूत फाइनेंशियल कंडिशन के लिए प्रयासरत हैं तो आवश्यक है कि महिलाएं घर के सपने को कैसे पूरा कर सकती हैं, इस दिशा में भी बात हो। घर खरीदना शायद किसी लड़की के जीवन की सबसे बड़ी 'बाईंग' में से एक है, इसलिए गलती करने पर तनाव या घबराहट महसूस होना स्वाभाविक है और तैयारी के दौरान कंफ्यूज होना भी स्वाभाविक है। अच्छी खबर यह है कि घर खरीदने के लिए आप कुछ वर्ष पहले से तैयारी करें और इसके लिए तमाम विकल्पों और तरीकों पर गौर करें। अब यदि आपको 5 से 7 वर्ष बाद किसी बड़े शहर और मेट्रो शहर में मकान लेना है तो आपको इसके लिए आज से ही कदम उठाने होंगे।

इस बारे में वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ज्यादातर मामलों में मकान लेने के लिए होम लोन लेना ही होता है। ऐसे में जितना घर का कॉस्ट है, उसके 80 प्रतिशत पर लोन मिल जाता है और 20 प्रतिशत खुद देना होता है। 80 प्रतिशत लोन देते समय बैंक इस बात पर गौर करते हैं कि आपकी इनकम कितनी है। यानी, वे इस आधार पर तय करते हैं आपका लोन व ईएमआई कि आपकी जितनी इनकम है, उसका 40 प्रतिशत तक का ईएमआई आप चुका सकें। जब



भी आप फ्लैक बुक करती हैं या मकान खरीदती हैं तो उस पर लिए हुए 80 प्रतिशत लोन के अलावा बचे हुए 20 प्रतिशत रकम को आपको खुद मैनेज करना होता है। आपको डाउन पेमेंट भी करनी होती है। इसके अलावा रजिस्ट्री और कुछ अन्य चार्जेंस भी आपको खुद वहन करने होते हैं। ऐसे में जितनी जल्दी आप सैलरी या अपनी आय का बड़ा हिस्सा बचाना अभी से शुरू कर दें। इसमें से अधिकांश का इन्वेस्टमेंट करना होगा ताकि रिटर्न भी आपको बढ़िया मिले।

विशेषज्ञ कहते हैं कि लड़कियों को समय से इक्विटी फंड में पैसा डालना चाहिए। एसआईपी के माध्यम से निवेश की राह पर चलना जितनी जल्दी शुरू कर सकें, उतना बेहतर। मकान आप पांच वर्ष बाद नहीं, तो सात वर्ष बाद ले लें, यदि उस वक्त के हालात सही नहीं हों तो। यानी, मार्केट वोलाटाइल हो या आपके द्वारा इन्वेस्ट किए पैसे पर घाटा हो रहा हो तो। करियर के शुरुआती स्टेज पर रिस्क लेने की क्षमता अधिक होती है।

पहली बार इक्विटी में इन्वेस्ट कर रही हैं तो हो सकता है कि इस बारे में आपको अधिक व सही जानकारी न हो। वह कहते हैं कि यह भी हो सकता है कि आप सही से रिस्क न कर पाएँ लेकिन धीरे धीरे आप समझना शुरू कर देंगी। आपको इंडेक्स फंड में पैसा डालना चाहिए, इसमें रिस्क या चेंज करने की जरूरत नहीं पड़ती। इंडेक्स फंड मार्केट के इंडेक्स का ही प्रतिनिधित्व करते हैं। सेन्सेक्स फंड और निफ्टी के इंडेक्स फंड बेहतर निवेश हैं।

मकान खरीददारी के टारगेट के लिए लार्ज कैप के इंडेक्स फंड में निवेश करना चाहिए क्योंकि इसमें वोलेटिलिटी कम होती है और स्टॉक्स भी रिटर्न के लिहाज से बढ़िया होते हैं। उदाहरण के लिए आप यूटीआई के निफ्टी 50 इंडेक्स फंड में निवेश कर सकती हैं।

इस पॉइंट की अनदेखी न करें कि जब आप होम लोन लेंगी तो हो सकता है ब्याज दरें कम हों लेकिन बाद में यह बढ़ जाएगी तो आपकी ईएमआई भी बढ़ जाएगी। इसलिए ईएमआई भरने के बाद आपके लिए विकट स्थिति पैदा हो सकती है।

यदि मकान लेने से पहले आपकी शादी हो जाती गई है तो जॉइंट नेम से होम लोन लेना चाहिए। होम लोन के लिए अप्लाई करते समय दो लोगों की इनकम कंसिडर होती है और ज्यादा लोन के लिए आप एलिजिबल हो जाते हैं। वहीं ज्यादा बड़ा और ज्यादा बेहतर मकान ले सकते हैं और साथ ही, जोखिम लेने या महंगा मकान लेने की आपकी क्षमता आपकी वृद्ध हो जाती है।

MUTUAL FUNDS Since 2001

CANARA ROBECO Mutual Fund

आगे बढ़ने का लक्ष्य भारत के साथ. तरक्की करें भारत के साथ.

केनरा रोबेको मैन्युफैक्चरिंग फंड में निवेश करें
और जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ेगा, वैसे-वैसे आगे बढ़ते जाइए.

NFO खुल रहा है: 16 फरवरी, 2024 | NFO बंद होगा: 1 मार्च, 2024

CANARA ROBECO MANUFACTURING FUND

(Thematic - Manufacturing - An open-ended equity scheme following Manufacturing theme)

This product is suitable for investors who are seeking*

- Long term capital appreciation
- Investments in equity and equity related instruments of Companies engaged in the Manufacturing theme

*Investors should consult their financial advisors for detail about whether the product is suitable for them. Product listing provided during the NFO is based on internal assessment of the scheme characteristics at the time of listing and the same may vary post NFO when the actual investments are made.

मुच्युअल फंड निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन हैं, योजना से जुड़े सभी दस्तावेज़ ध्यान से पढ़ें.

Vision Invest Tech Private Limited | (+91)7389912025
10613 | visionadvisorymkt@gmail.com

POWERED BY
wealthy

VBN
VISION BIZ NETWORK

VISION BIZ OPPORTUNITY NETWORK

Your Concern Is Our Concern
Our Vision & Mission

TO BUILD A BUSINESS NETWORK WORTH RS. 1000 CRORE BY YEAR
2030 THROUGH EMPOWERING, SUPPORTING & COLLABORATING
WITH ENTREPRENEURS, STARTUPS & PROFESSIONALS

FOUNDER : MR. PRADEEP KARAMBELKAR

Pradeep is a Passionate Entrepreneur, Startup Mentor, Seed Investor and Founder of Vision Biz Network. Pradeep has a great experience in various organization as Founder & Director.

President of TIE Madhya Pradesh
Chairman of Bhopal Management Association (BMA)
State Council Member with CII MP
Past Chair MP PHDCCI & Past Chairman CII Bhopal

| | | |
|---|--|--|
| <p>Company Profiles</p> <p>Vision Invest Tech Pvt. Ltd.</p> <ul style="list-style-type: none"> • Financial Products Distribution Services • 30000+ Investors & Clients • Managing Asset Worth over 400 Crores • Actively serving across Central India • Nationwide network | <p>Company Profiles</p> <p>VASPL Venture Catalysts</p> <ul style="list-style-type: none"> • Startup Incubation Center with eminent facilities. • 30+ Incubated startups • 200+ Startups Connected • 2 Crores+ Startup Funds provided | <p>Company Profiles</p> <p>INVESTMENT AVENUES® (Bhavishya Bazar)</p> <ul style="list-style-type: none"> • Weekly Newspaper on Investment, Business & Startups • Bilingual Newspaper available in Hindi & English. • 40000+ Subscribers in Central India. • Distributed among HNIs. |
| <p>Company Profiles</p> <p>BNI Bhopal</p> <ul style="list-style-type: none"> • World's largest Referral Networking Platform Spread over 79 Countries • Total Business of 350 Crore+ done till Dec-22 in BNI - Bhopal only with 5 Chapters. • 350+ Member in BNI Bhopal Chapters. | <p>Company Profiles</p> <p>Sewo Health Tech Innovation Pvt Ltd</p> <ul style="list-style-type: none"> • Hospital Management With Technology & Human Resource. • Presence in 50+ Hospitals, Majorly Government Hospitals of MP • 3,00,000+ Patients Served Every Month • 10+ Years Experience | <p>Company Profiles</p> <p>FRANCHISE INDIA Ideas For Tomorrow</p> <ul style="list-style-type: none"> • Asia Largest Franchise Network • We are the Central India Branch Partners • 10000+ Brands |

Startups Success Stories Hosted by Mr. Pradeep Karambelkar

Kahani Aapki
with Pradeep Karambelkar

Portfolio
Since 2007, Venture Catalysts has backed more than 400+ startups across multiple sectors.

Regional Partners of Venture Catalysts

Contact Us
contact@visionbiznetwork.com

Address : E4, Arera Colony, Dutt Mandir Commercial Hall, Beside Gurudwara, Near Bhejpur Club, Bhopal
www.visionbiznetwork.com
Call : +91 9826223075

टाटा का मार्केट कैप रु. 30 लाख करोड़ के पार दूर-दूर तक टक्कर में नहीं है कोई दमदार

टाटा ग्रुप की 25 लिस्टेड कंपनियां हैं। मार्केट के कुल मार्केट कैप में 80 प्रतिशत से अधिक भागीदारी केवल पांच कंपनियों की है। ग्रुप की सबसे वैल्यूएबल कंपनी टीसीएस है जिसका मार्केट कैप 15.1 लाख करोड़ रुपये है। यह रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाद देश की दूसरी सबसे वैल्यूएबल कंपनी है।

भोपाल। भारत के सबसे बड़े कारोबारी घराने टाटा ग्रुप का मार्केट कैप 30 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। पहली बार देश का कोई कारोबारी घराना इस पड़ाव पर पहुंच पाया है। टाटा ग्रुप का मार्केट कैप 30.4 लाख करोड़ रुपये पहुंच चुका है। दूर-दूर तक कोई इसके आसपास भी नहीं है। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाले रिलायंस ग्रुप का मार्केट कैप 21.6 लाख करोड़ रुपये है। गौतम अडानी के अडानी ग्रुप का मार्केट कैप 15.6 लाख करोड़ रुपये है। इस लिस्ट में चौथे नंबर पर एचडीएफसी ग्रुप है। इस ग्रुप का मार्केट कैप 13 लाख करोड़ रुपये है। बजाज ग्रुप भी 10 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ देश के टॉप पांच कारोबारी घरानों में शामिल हैं। टाटा ग्रुप की 25 लिस्टेड कंपनियां हैं। मार्केट के कुल मार्केट कैप में 80 प्रतिशत से अधिक भागीदारी केवल पांच कंपनियों की है। ग्रुप की सबसे वैल्यूएबल कंपनी टीसीएस है जिसका मार्केट कैप 15.1 लाख करोड़ रुपये है। यह रिलायंस इंडस्ट्रीज के



बाद देश की दूसरी सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। टाटा ग्रुप में टीसीएस के बाद टाटा मोटर्स दूसरी सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। इसका मार्केट कैप 3.4 लाख करोड़ रुपये है। यह देश की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी है। टाटा ग्रुप में मार्केट कैप के हिसाब से टाइटन तीसरे नंबर पर है। इसका मार्केट कैप 3.2 लाख करोड़ रुपये है। टाटा स्टील 1.8 लाख करोड़ रुपये के साथ चौथे और टाटा पावर 1.3 लाख करोड़ रुपये के साथ पांचवें नंबर पर है। इस वर्ष ग्रुप की आईटी कंपनी टीसीएस के मार्केट कैप में 1.2 लाख करोड़ रुपये की तेजी आई है। इस वर्ष ग्रुप के वैल्यूएशन में आई तेजी में टीसीएस का 60 प्रतिशत योगदान है। इसी तरह टाटा मोटर्स के शेयरों में इस वर्ष 19 प्रतिशत तेजी आई है और वह टाइटन को पछाड़कर टाटा ग्रुप की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है। इसलिए इन सभी कंपनियों के कारण टाटा ग्रुप का मार्केट कैप में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

**Sabse bada sach,
Optima Secure Plan
de benefits so much!**

A health insurance policy is a financial safety shield that protects you and your family during medical emergencies. We ensure that, our health insurance plans are regularly enhanced keeping in mind the growing medical needs. With newly enhanced features, you will have the confidence in knowing that HDFC ERGO is working on your behalf to protect you and your family's needs. Let us explain how the newly added features work together in your current plan.

For example, Mr. Sharma residing in Delhi is of age 45 years, having a family of 4 with ages 40 years, 3 years and 2 years, selects an optima secure family floater plan with a base sum insured of ₹15 lakhs along with the unlimited restore add-on benefit. The annual policy premium would be ₹38,886.

Now he can conveniently pay a monthly premium of ₹3,240 to secure his family with base sum insured of ₹15 lakhs.

So Much Coverage* Guaranteed (At no additional charge!!)**

Secure Benefit

2X 2X of your base cover
This benefit will instantly increase the ₹15 lakhs base cover to ₹30 lakhs at no extra cost

Restore Benefit

4X 4X of your base cover
Anytime a claim is made whether partial or total, additional ₹15 lakhs gets 100% restored for any subsequent claims in the same year

Unlimited Restore (Add-on)

Provides unlimited restoration in a policy year

Plus Benefit

3X 3X of your base cover
The base cover increases by 50% after 1 year, and 100% after 2 years, irrespective of any claims made. Thereby, an additional coverage amount of ₹15 lakhs is provided

Protect Benefit

Zero Zero deduction on non-medical expenses
In case of an unfortunate hospitalisation, your policy also covers out-of-pocket non-medical expenses such as gloves, masks, crepe bandage, nebulizer kits and so on

No room rent capping

Room rent at actuals

Premium Instalment Payment Options Available

| Base Sum Insured / Instalment Premium Frequency | ₹10 lakhs | ₹15 lakhs |
|---|-----------|-----------|
| Monthly | ₹3,031 | ₹3,240 |
| Quarterly | ₹9,094 | ₹9,721 |
| Half Yearly | ₹18,189 | ₹19,443 |

All premiums shown above are for optima secure family floater plan with unlimited restore (Add-on) in INR and including tax. The family constitutes of members with age 45 years, 40 years, 3 years and 2 years.

Annual Aggregate Deductible - A Value Buy

A deductible is an amount you agree to pay at the time of claim once in a policy year, post which our coverage kicks in. You can choose from the deductible options below and enjoy up to 65% discount on your premium.

| Deductible Amount | Optima Suraksha, Optima Secure & Optima Super Secure | | |
|-------------------|--|--------------------|---------------------|
| | Base SI < 25 Lakhs | Base SI = 25 Lakhs | Base SI >= 50 Lakhs |
| 25,000 | 25% | 15% | 15% |
| 50,000 | 40% | 30% | 30% |
| 1,00,000 | 50% | 40% | 40% |
| 2,00,000 | 55% | 45% | 45% |
| 3,00,000 | 65% | 55% | 55% |
| 5,00,000 | NA | 62% | 62% |

So Much Choice

So, if Mr. Sharma agrees to pay the first ₹50,000 on his claims in the policy year, he gets a discount of 40% on his insurance premium. Which means, his premium of ₹38,886 reduces to just ₹23,331!

Easy Switch

- Mr. Sharma also has the super power to waive his opted deductible at renewal post completion of 5 years under this policy
- This is a one-time option, which can only be availed if the eldest member is less than 50 years at the time of purchasing this policy (with aggregate deductible) and is less than 61 years at the time of availing this option, subject to underwriting

Contact us_73899_12025

For more details, log on to www.hdfcergo.com or call us on 022 6242 6242

Terms & Conditions Apply. Pro rata cancellation is subject to nil claim. *Under Plus Benefit, irrespective of claims means sum insured gets increased by 50% of base sum insured per year maximum up to 100%. A single claim in a Policy Year cannot exceed the sum of Basic Sum Insured, Plus Benefit (if applicable) and Secure Benefit (if applicable). **Get Guaranteed Secured, Plus, Protect and Restore Benefits. Please refer the list of Non-Medical Expenses specified in the policy wording. For add-on covers, additional premium will be charged. HDFC ERGO General Insurance Company Limited. IRDAI Reg. No. 146. CIN: U66030MH2007PLC171117. Registered & Corporate Office: 1st Floor, HDFC House, 165-166 Backbay Reclamation, H. T. Parekh Marg, Churchgate, Mumbai - 400 020. For more details on the risk factors, terms and conditions, please read the sales brochure / prospectus before concluding the sale. Trade Logo displayed above belongs to HDFC Bank Ltd and ERGO International AG and used by the Company under license. UIN: my. Optima Secure - HDFHLIP24082V032324 | Unlimited Restore (Add On) HDFHLIA22188V012122 | IPA Rider - APOPAIP18004V011920. UID: 13519.

आखिर पेटीएम पेमेंट्स बैंक को नए ग्राहक जोड़ने से क्यों किया गया प्रतिबंधित ?

आरबीआई ने तीन खतरों को जानकर लगाया प्रतिबंध

भोपाल। आरबीआई ने जब से आदेश जारी करके पेटीएम पेमेंट्स बैंक को नए ग्राहक जोड़ने पर रोक लगाई है, तब से यूजर्स के मन में सवाल है कि आखिर ऐसा क्यों किया गया ? रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 31 जनवरी 2024 को पेटीएम को यह आदेश जारी किया था कि 29 फरवरी के बाद मौजूदा ग्राहकों के भी अकाउंट में अमाउंट ऐड करने पर रोक लगा दी जाए। उल्लेखनीय है, कि आरबीआई ने यह सख्त कदम एक रिपोर्ट के बाद उठाया। अगर आप पेटीएम यूजर्स हैं तो आपके लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि आखिर इस रिपोर्ट में ऐसा क्या रहा ? आइये आपको बताते हैं...



खोले राज

मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, इस पूरे मामले से सीधे तौर पर परिचित लोगों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि पेटीएम ने नियामक मानदंडों को लेकर कई उल्लंघन किए, जिनमें मनी लॉन्ड्रिंग और रिलेटेड पार्टी ट्रांजेक्शन से संबंधित नियम शामिल हैं। हैरानी की बात है कि लगातार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की चेतावनियों पर पेटीएम ने ध्यान नहीं दिया। इस वजह से बैंकिंग नियामक संस्था ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को लेकर यह सख्त आदेश दिया।

केवाईसी में गलतियां

इस मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि आरबीआई द्वारा पेटीएम पेमेंट्स बैंक में किए गए एक सिस्टम ऑडिट में नो-योर-कस्टमर (केवाईसी) दस्तावेजों के संबंध में मनी-लॉन्ड्रिंग विरोधी कानूनों के पालन से संबंधित कई खामियां पाई गईं। इसमें आरबीआई ने पाया कि कंपनी ने ग्राहकों को अपने साथ जोड़ने से पहले धन के स्रोत के बैकग्राउंड की सही से जांच नहीं की।

ट्रांजेक्शन में खामियां

वहीं, दूसरा इश्यू अन्य पेटीएम समूह की कंपनियों के साथ नियमित रिलेटेड पार्टी ट्रांजेक्शन का था। इन लोगों ने कहा कि बैंकिंग नियामक ने पाया कि पेमेंट्स बैंक हितों के संभावित टकराव से खुद को बचाने के लिए उचित उपायों का पालन नहीं कर रहा था।

शेयर होल्डिंग पैटर्न पर चिंताएं

पेटीएम पेमेंट्स बैंक की कॉम्प्लेक्स ऑनरशिप स्ट्रक्चर रिलेटेड-पार्टी ट्रांजेक्शन को लेकर भी सेंट्रल बैंक की चिंताएं बढ़ रही थीं। पेटीएम की पैरेंट कंपनी One97 कम्युनिकेशंस के पास पेमेंट्स बैंक का 49 प्रतिशत हिस्सा है, लगभग 10 प्रतिशत का स्वामित्व विजय शेखर शर्मा और One97 के बीच एक ज्वाइंट वेंचर के माध्यम से है। इसके अलावा, केंद्रीय बैंक ने क्लाउड, डेटा स्टोरेज और डेटा गोपनीयता के मामले में ऋणदाता के आईटी सिस्टम में कुछ कमजोरियों को पाया। इस बारे में कंपनी को कई बार चेताया गया, लेकिन आरबीआई की चेतावनियों के बावजूद खामियां दूर नहीं की गईं।

Multibagger Stock

4 वर्ष में 10 रुपये वाला शेयर 477 का हुआ
एक लाख रुपये के बन गए 47 लाख

भोपाल। शेयर बाजार में कब क्या हो जाए कहा नहीं जा सकता, कब कौन सा स्टॉक इनवेस्टर को फर्श से अर्श पर पहुंचा दे, पता नहीं चलता। बहुत से छोटे शेयरों ने निवेशकों को बहुत मोटा लाभ दिया है। ऐसा ही एक वारे-न्यापरे करने वाला शेयर है स्टीनल कंपनी सूरज प्रोडक्ट्स का।



आज से चार साल पहले सूरज प्रोडक्ट्स शेयर की कीमत 10 रुपये थी। अब यह बढ़कर 477 रुपये (Suraj Products Share Price) को हो चुका है। पिछले छह महीनों में सूरज प्रोडक्ट्स के शेयर ने निवेशकों का पैसा लगभग डबल कर दिया है।

वर्ष 1991 में शुरू हुई सूरज प्रोडक्ट्स एक स्मॉल कैप कंपनी है। अभी सूरज प्रोडक्ट्स लिमिटेड का मार्केट कैप करीब 245 करोड़ रुपये है। वहीं शेयर का पीई रेशियो 17.72 है, जबकि डिविडेंड यील्ड 0.31 प्रतिशत है। पिछले कारोबारी सत्र यानी शुक्रवार को सूरज प्रोडक्ट्स लिमिटेड का शेयर

करीब 2 प्रतिशत के नुकसान के साथ एनएसई पर 477 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। बीते 5 दिनों में यह शेयर करीब ढाई प्रतिशत मजबूत हुआ है, जबकि 1 महीने में इसके भाव में करीब 25 प्रतिशत की तेजी आई है। साल 2024 में यह शेयर अब तक करीब 16 प्रतिशत मजबूत हुआ है।

पैसे डबल: बीते 6 माह के हिसाब से सूरज प्रोडक्ट्स का शेयर 99 प्रतिशत चढ़ा है। 9 अगस्त 2023 को इसके एक शेयर का भाव करीब 240 रुपये था, जो अभी 477 रुपये हो चुका है। यानी छह महीने में यह शेयर डबल रिटर्न देकर मल्टीबैगर स्टॉक्स की सूची में शामिल हो चुका है। वहीं बीते एक वर्ष के हिसाब से यह शेयर 268 प्रतिशत रिटर्न दिया है। जो कि बहुत अधिक है। अब देखना है कि यह शेयर और कितना रिटर्न देता है। लेकिन हमारी निवेशकों से यही कहना है कि किसी भी शेयर में निवेश करने से पहले अपने निवेश सलाहकार की सहायता अवश्य ले।

Secure your life's plans with
Assured Income*

HDFC Life Guaranteed Wealth Plus
A Non-Linked, Non-Participating Individual Life Insurance Savings Plan



Pay once or for a limited term, enjoy life insurance cover during full policy term

Avail guaranteed benefit as Lump sum or as Regular Income + Lump sum

Guaranteed Income* during the payout term + 100% ROP* at maturity

HDFC Life Guaranteed Wealth Plus
A Non-Linked, Non-Participating Individual Life Insurance Savings Plan

Contact us 73899 12025

HDFC Life
Sar utha ke jayo!

*This applies to Income Variant, whereby guaranteed income is paid on survival of Life Assured during the policy term, provided all due premiums are paid during the premium payment term. **RIP - Return of Premiums. This applies to Income Variant, whereby all basic premiums are returned to policyholder on survival of Life Assured at maturity, provided all due premiums are paid during the premium payment term. *Quantity of benefits is guaranteed irrespective of the sequence.

Vote on Account brings new Philip to the Markets



Siddhartha Rastogi is the COO of Ambit Asset Management & has over 22 years of experience in financial markets. He specializes in **leadership, economics, Capital markets, fundraising, People management, banking & behavioural finance** on account of his work with various organizations throughout his life.

He is a visionary & forward-looking thinker. He is an avid reader & writer. His articles on finance & life are very popular on social media. He is a regular contributor to **Moneywise Magazine, Organiser and TradeMaker Magazine** (Column title - **Sage Siddhartha Speaks**) and runs a weekly column - **Lessons from the East** on **News Bharti**. Siddhartha is **a motivational speaker and a life coach**.

Siddhartha is frequently invited by various B-Schools including **IIM Lucknow, IIM Ranchi, IIM Indore, IIM Rohtak, IIM Sambalpur FMS Delhi, JBIMS** and others reputed institutes like **IIT Mumbai, St. Xaviers Mumbai, Hinduja College- Mumbai** on leadership, behavioural finance and capital markets talks and sessions.

Siddhartha has conducted leadership, innovation and financial Management Sessions for Corporations including Tata Power and Future Supply Chain and associations like the Fasteners Association of India. Siddhartha is also the author of the book "8 Minute Decision" which helps with effective decision-making.

Also Siddhartha is one of the founding faculty members & trusted mentors of **Masters' Union School of Business** <https://mastersunion.org/>, and at Meghnad Desai Academy Of Economics, <https://www.meghnaddesaiacademy.org/> he is one of the mentors & digital educator. He is also a member of the Editorial Review Board of The Arth-Niti, the Official Research Journal of the **Department of Economics, St. Xavier's College, Mumbai**.

Furthermore he teaches at the **World Trade Centre, Mumbai** on International Trade and Entrepreneurial Opportunities to boost India's Self-reliance and forex reserves.

What does Budget 2024 bring to various sectors from an Investment perspective?

Why vote on account has brought cheer to the broader markets?

Why Budget 2024, is special despite being short?

From Being a Sarkar to being a Sewak

In continuation of this tradition Feb 1st, 2024, Vote on Account, (Budget for 3 months till the newly elected government takes over) elucidated the prominent actions and the result of such actions which benefited Bharat and endeavoured to create an egalitarian Bharat.

The Plan, the Process and the Progress

1. One of the issues economists, Leftists and Wokes always had was that pre-Lok Sabha elections, governments, take populist measures to appease the vulnerable in the economy and dole out freebies, to gain votes.

The Finance Minister, on the contrary, didn't dole out any handout or giveaway and on the contrary ensured that **fiscal deficit, was reduced**, thereby reducing market borrowing of the government, giving space or more room to the private sector to borrow at cheaper rates negating any crowding out effect.

The Fiscal deficit earlier was estimated at **5.9% of the GDP and now has been revised to 5.8% for FY 24**. For FY 25, the street was expecting a deficit of **5.3% keeping in mind the aggressive Bharat Building and Re-building program, the government has undertaken**.

Despite monumental infrastructure outlay, the fiscal deficit has been brought down to 5.1% of the GDP. By FY26, the government will deliver its promise of sticking to the plan of the FRBM Act and will bring the fiscal deficit to 4.5%

2. Big themes were presented in Vote on Account 2025-

In the finance minister's words, the focus was directed towards 4 castes that need to be worked upon intensely for Bharat to emerge as Vishwa Guru and become developed in the next 23 years by 2047, **the Poor, The Youth, The Women folk and the agriculturists**. Significant schemes and efforts have been ascertained in the Budget across all aspects to improve the contribution of these segments towards nation-building.

3 facets that emerge strongly from the Budget 2025 are as follows

-Capex on Infra Creation

- Housing for all

-Agrarian economy

a. **-Capex on Infra Creation** -Infra Outlay in FY 21, the year of Covid was ~Rs 4.11 lac crores and this has been increasing by a third every year. In FY 25, this spend will jump to 11.11 lac crores, **a mammoth swing of ~ 2.7 X in 4 years**.

The government understands that inflation creates a multiplier effect sustains its effect and impact on the economy and propels all other sectors for the next 3-4 years.

Thus government of Bharat is ensuring that when the world is going through challenging times due to higher interest rates, global conflicts and regional uncertainties, Bharat remains buoyant by quality expenditure benefitting everyone. Past endeavours of the government are unclouded with the clear fact that the income rise for a common Bhartiya has been nothing short of stunning whose **real income has jumped on average by 50% in the last 10 years**.

This capex will be used to create energy, minerals and cement corridors, ensuring Atmanirbharta and upliftment of the remotest corner of Bharat.

As Bharat is growing, its younger population and their aspirations are rising and



thus part of these funds will be utilized to construct corridors having high traffic density as well the ones that enable port connectivity. Exports and Tourism will surely multiply from these measures.

a. Housing for all - 3 Crore houses have been built by the government under the PM AwasYojana (PMAY) in the last 10 years and the government has expedited the forthcoming construction with another 2 crore houses to be built in the next 5 years under PMAY - Grameen.

This will benefit financial institutions providing loans, cement, paints, steel, tiles, hosiery, furniture, and consumer durables thereby improving the standard of living for a common Bhartiya as well as mobilizing demand.

For FY 25, the government has allocated a whopping Rs 80,671 Crores towards PMAY. Additionally, a new scheme will be launched in the subsequent budget post-election for the urban middle class and the urban affordable housing segment.

With the government's promise of electrification of every household, the consumption of electricity has moved up and thus this budget provides 300 units of free electricity through solarisation to every household.

c. Agrigarian Economy - The government has augmented the budget for the rural economy by 12% to Rs 1.71 lack crores with allocation to MGNREGS, LakhpatiDidi, National Livelihood Mission-Ajeevika, Pradhan Mantri Gram SadakYojna etc.

3. This budget also shows continuity with tax rates remaining the same and tax benefits to start-ups and investments made by sovereign wealth or pension funds as tax exemption on certain income of some IFSC units are expiring on 31.03.2024 to be extended till next fiscal year-end.

Budget & Sectors

The Interim Budget 2024 brought cheer to the market, especially to sectors that for a while, or should I say for the past few decades were out of fashion, whether PSUs, consumer durables, infrastructure, power or railways or the premiumization thesis or even the Micro-finance segment in the lending space.

In continuation with the capex on Infrastructure, and an additional housing of 2 crore dwellings in 5 years means, that demand for cement, steel, and consumer-oriented sectors will be buoyant.

As Bharat is growing, getting globalized and the gap between the social and economic divide is getting bridged with the rise in income levels, the younger Bharat is eager to travel more, seek more convenience and get better services. From Airports to Trains to Hospitality, all have been covered in this budget and these sectors will create a longer-term investment rationale from an investment opportunity perspective.

Healthcare spending enhancement will give a boost to the pharma

and chemical segment that took a beating post covid. With a continuous green focus articulated in the Budget, Specialty chemicals will find their feet back in a market where China is constantly dumping low-priced goods.

Renewables where a large part of the action is happening in the Unlisted space, got their due attention in the budget and thus it will benefit renewable manufacturing, renewable component segment as well as chemicals used therein.

From the economic, market and long-term thinking perspective budget has made the right moves bringing forth **social, economic, and geographical inclusivity ensuring social justice** for one and all.

Thus **Siddhartha Rastogi** says, that this budget has cracked open the hopes of all the privileged who have been hobnobbing in the corridors of power and ensuring that the common man has his last laugh and that too loud.

P.S. Views and opinions expressed in this article are those of the authors and do not necessarily reflect the official view or position of any company or sister concerns or group company where the author is presently employed.

How to reach a ₹1 crore amount faster with step up SIP

| | |
|---|---|
| <p>Case 1</p> <p>0% Increase in SIP amount</p> <p>₹1 crore in 17 years 7 months</p> <p>SIP Amount ₹15000/month</p> | <p>Case 2</p> <p>10% p.a. Increase in SIP amount</p> <p>₹1 crore in 14 years 7 months</p> <p>SIP Amount ₹15000 + 10% increase</p> |
| <p>Case 3</p> <p>15% p.a. Increase in SIP amount</p> <p>₹1 crore in 12 years 9 months</p> <p>SIP Amount ₹15000 + 15% increase</p> | <p>Case 4</p> <p>20% p.a. Increase in SIP amount</p> <p>₹1 crore in 11 years 3 months</p> <p>SIP Amount ₹15000 + 20% increase</p> |

Accelerate your wealth creation process with a step-up SIP

Mutual fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.
*Data used is for a ₹15,000/month SIP in UTI Nifty 50 Index Fund starting from April 1, 2006

Connect to know more

Vision Invest Tech Private Limited | (+91)7389912025
10613 | visionadvisorymkt@gmail.com

POWERED BY
wealthy

संपादकीय



■ अवनीश तिवारी | सहायक संपादक

आप अपने इन्वेस्टमेंट की समीक्षा अवश्य करें

यदि आप फाइनेंशियल प्लानिंग करते हैं, तो यह आपकी दीर्घकालिक वित्तीय आवश्यकतों को पूरा करने में सहायता करता है। इसके साथ ही आप अपने निवेश उद्देश्यों को पूरा कर सकें और अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। लेकिन इसकी समय-समय पर समीक्षा की जानी चाहिए, कि आपका निवेश किस दिशा में बढ़ रहा है? केवल इमरजेंसी में ही फाइनेंशियल प्लानिंग की समीक्षा नहीं की जानी चाहिए। घर खरीदने के लिए आपको भारी पैसे की आवश्यकता होती है। यही कारण है कि कई लोग कुछ रुपयों का डाउनपेमेंट कर लोन पर घर खरीदते हैं। जब कोई घर या संपत्ति जैसी बड़ी खरीदारी के दौरान लोन के लिए आवेदन करता है, तो उसकी वित्तीय योजना का विश्लेषण करना आवश्यक है। आपको लोन के लिए आवेदन करने से पहले और ईएमआई शुरू होने के बाद अपने पोर्टफोलियो की जांच करनी चाहिए। आपको यह तय करना चाहिए कि आप मासिक ईएमआई कितना पेमेंट करना चाहेंगे और इससे आपके बजट पर कैसा प्रभाव पड़ेगा। इसके लिए फाइनेंशियल प्लानिंग की आवश्यकता होगी।

अगर आपकी कंपनी ने आपकी सैलरी बढ़ा दी है या फिर किसी अन्य स्रोत से आपकी आय बढ़ गई है तो अपने वित्तीय आवश्यकताओं को शीघ्र ही पूरा कर सकते हैं। लेकिन इसका मतलब हमेशा खर्चों में वृद्धि नहीं होता है। इसलिए आप निवेश के लिए अधिक पैसा बचा सकते हैं। इसके लिए भी आपको समय-समय पर वित्तीय समीक्षा करनी चाहिए। दूसरी ओर, कुछ कारणों से कई लोग अपनी नौकरी खो देते हैं या बिजनेस में नुकसान उठाते हैं। इस दौरान भी समीक्षा की आवश्यकता होती है।

उल्लेखनीय है कि जीवन अनिश्चित है और हर कोई इसे जानता है। जो लोग आज सबसे फिट हैं उनके साथ कल कोई आकस्मिक घटना हो सकती है। जो आज बीमार है वो कल तंदरुस्त भी हो सकता है। किसी भी बीमारी के चपेट में आ जाने से आपका बजट गड़बड़ हो जाता है। बीमारी आपकी प्रोडक्टिविटी को भी प्रभावित करती है। इसके आपको नुकसान होगा। इन मामलों में भी आपको वित्तीय रणनीति की समीक्षा करना और अपने निवेश उद्देश्यों को संशोधित करना महत्वपूर्ण हो जाता है। इसलिए आवश्यक है कि समय-समय पर अपने निवेश की समीक्षा करते रहें ताकि आपको अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो सके। इसके लिए आप किसी निवेश सलाहकार से भी मदद ले सकते हैं जो आपको उचित सलाह देता रहे।

5 वादे दिलाएंगे पैसे की तंगी से मुक्ति

भोपाल। भारतीय आचार्य चाणक्य का कहना था कि जिंदगी में पैसा ही आपका सच्ची मित्र होता है। कठिन समय में जब आपके दोस्त, रिश्तेदार और करीबी भी आपका साथ छोड़ देते हैं, उस समय पैसा ही आपके लिए सहायक होता है। इसलिए धन को हमेशा अधिक से अधिक संचय करने का प्रयास करना चाहिए। लेकिन कई बार गलत आदतों के कारण धन हमारे पास नहीं टिक पाता और इसके अभाव में जीवन और जटिल बन जाता है। इसलिए नए साल 2024 पर खुद से 5 वादे अवश्य करें। ये वादे अगर आपने निभा लिए तो आपकी फाइनेंशियल कंडीशन कुछ सालों में ही काफी मजबूत हो जाएगी और आप बेहतर जिंदगी जी पाएंगे।

- **तमाम लोगों की आदत होती है कि वे जो भी कमाते हैं, उसे उड़ा देते हैं। लेकिन अगर आप भी उनमें से हैं, तो नए साल से इस आदत को बदलने का संकल्प लें। जो भी कमाएं उसमें से 20 प्रतिशत की बचत हर हाल में करें। बचत का ये वादा हर हाल में निभाएं।**
- **खुद से दूसरा वादा करें निवेश का। आप जो भी कमाते हैं, उसे सिर्फ निवेश के जरिए ही बढ़ाया जा सकता है। आज के समय में ऐसे तमाम प्लान्स हैं, जो आपके निवेश को पूंजी में भी बदल सकते हैं। लेकिन निवेश के मामले में आपको अनुशासित रहना पड़ेगा। अगर आप बचत और निवेश की इस आदत को जीवन में अपना लेते हैं, तो आने वाले कुछ सालों में आपके पास अच्छा खासा फंड मौजूद होगा।**
- **बेहतर सैलरी के लिए लोग बेहतर नौकरी की तलाश करते हैं। लेकिन जल्दी-जल्दी नौकरी बदलना भी ठीक नहीं होता। इससे आपका प्रोफाइल खराब हो सकता है। नौकरी बदलते समय आपको नौकरी की जगह, प्रोफाइल, टैक्स प्रभाव, सुविधाओं जैसी बातों पर विचार करना चाहिए, इसके बाद ही कोई फैसला लेना चाहिए। इस मामले में जल्द बाजी में किया गया कोई भी फैसला**



आपकी मुश्किल बढ़ा सकता है। इस नए साल में तीसरा वादा एक स्थिर नौकरी पर टिके रहने का करना चाहिए और अगर नौकरी बदलने की बहुत जरूरत महसूस हो, तो भी काफी देखकर और जांच परखकर फैसला लें।

- **चौथा वादा खुद से करें कि कर्ज को नहीं बढ़ने देंगे। आज के समय में क्रेडिट कार्ड जैसी सुविधाएं हैं। नौजवान बिना सोचे समझे इनका इस्तेमाल करते हैं और कई बार बेवजह खुद पर लोड बढ़ा लेते हैं। इसलिए खुद से एक वादा ये करें कि आप जरूरत पर ही क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करेंगे और वो भी बहुत सोच समझकर करेंगे। इसके अलावा बैंक में आजकल कई तरह के लोन ऑफर किए जाते हैं। आप किसी भी तरह का लोन बहुत जरूरत पड़ने पर ही लेंगे। इसके अलावा किसी से उधारी भी नहीं करेंगे।**
- **पांचवा वादा आईटीआर फाइल करने का करें। आईटीआर फाइलिंग, एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है जिसे प्रत्येक व्यक्ति को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करना चाहिए। देरी से फाइल करने पर आपको जुर्माना देना होगा। इसलिए आईटीआर को समय से फाइल करने का संकल्प लें।**

WEEKLY STOCK PIVOT LEVEL

Anil Bhardwaj
Technical Head
anilstockcare@gmail.com



All level indicated above are based on future prices PP: Pivot Point: This is Trigger Point for buy/sell Based on the price range of the previous Month R1: Resistance one: 1st Resistance over PP. R2: resistance Two: 2nd Resistance over R1.S1: Support one: 1st support after PP. S2: Support Two: 2nd support after S1. 1)

- As per tool, trader should take Buy position just above pp and keep the stop loss of PP and the first target would be R1.2)
- If R1 is crossed then R2 becomes the next target with the stop loss at R1. 3)
- If R2 is crossed then R3 becomes the next target with the stop loss at R2.
- Similarly if price goes below PP the trader should SELL and keep the PP as stop loss and the first target would be S1.
- If S1 is crossed then S2 becomes the next target with the stop loss at S1.
- If S2 is crossed then S3 becomes the next target with the stop loss at S2.

| 1 | Stock name | R3 | R2 | R1 | PP | S1 | S2 | S3 |
|----|----------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
| 2 | NIFTY | 22864 | 22495 | 22174 | 21805 | 21484 | 21115 | 20794 |
| 3 | BANK NIFTY | 48700 | 47795 | 46883 | 45978 | 45066 | 44161 | 43249 |
| 4 | ACC | 2697 | 2640 | 2570 | 2513 | 2443 | 2386 | 2316 |
| 5 | ALKYAMINES | 2526 | 2463 | 2384 | 2319 | 2240 | 2175 | 2096 |
| 6 | AXISBANK | 1152 | 1124 | 1095 | 1067 | 1038 | 1010 | 981 |
| 7 | BHARTIARTL | 1209 | 1195 | 1173 | 1159 | 1137 | 1123 | 1101 |
| 8 | CIPLA | 1518 | 1461 | 1426 | 1369 | 1334 | 1277 | 1242 |
| 9 | DLF | 867 | 838 | 814 | 785 | 761 | 732 | 708 |
| 10 | ESCORTS | 3219 | 3138 | 303 | 2958 | 2858 | 2778 | 2679 |
| 11 | GSPL | 398 | 388 | 369 | 359 | 340 | 330 | 311 |
| 12 | GRINFRAPROJECT | 1406 | 1338 | 1302 | 1233 | 1196 | 1128 | 1091 |
| 13 | HDFCBANK | 1514 | 1497 | 1471 | 1454 | 1428 | 1411 | 1385 |
| 14 | HCLTECH | 1680 | 1646 | 1615 | 1581 | 1550 | 1516 | 1485 |
| 15 | HINDALCO | 622 | 605 | 594 | 578 | 567 | 551 | 540 |
| 16 | HINDUNILVR | 2604 | 2557 | 2505 | 2458 | 2406 | 2359 | 2307 |
| 17 | IRCT | 1020 | 1006 | 987 | 973 | 954 | 940 | 921 |
| 18 | ICICIBANK | 1095 | 1072 | 1048 | 1025 | 1001 | 978 | 954 |
| 19 | IEX | 163 | 156 | 151 | 144 | 139 | 132 | 127 |
| 20 | INFY | 1808 | 1763 | 1728 | 1683 | 1648 | 1603 | 1568 |
| 21 | ITC | 470 | 463 | 451 | 444 | 432 | 425 | 413 |
| 22 | KOTAKBNK | 1928 | 1889 | 1856 | 1817 | 1784 | 1745 | 1712 |
| 23 | LT | 3991 | 3863 | 3619 | 3491 | 3247 | 3119 | 2875 |
| 24 | LUPIN | 1603 | 1562 | 1534 | 1493 | 1465 | 1424 | 1396 |
| 25 | MARUTI | 11765 | 11238 | 10934 | 10407 | 10103 | 9576 | 9272 |
| 26 | M&M | 1799 | 1751 | 1706 | 1658 | 1613 | 1565 | 1520 |
| 27 | MGL | 1666 | 1590 | 1533 | 1457 | 1400 | 1324 | 1267 |
| 28 | NCC | 254 | 238 | 226 | 210 | 198 | 182 | 170 |
| 29 | RELIANCE | 3230 | 3090 | 3002 | 2862 | 2774 | 2634 | 2546 |
| 30 | RECLTD | 555 | 534 | 515 | 494 | 475 | 454 | 435 |
| 31 | SBIN | 712 | 686 | 668 | 642 | 624 | 598 | 580 |
| 32 | SBICARD | 753 | 742 | 726 | 716 | 700 | 690 | 674 |
| 33 | SUNPHARMA | 1523 | 1481 | 1449 | 1407 | 1375 | 1333 | 1301 |
| 34 | TITAN | 4077 | 3980 | 3796 | 3699 | 3515 | 3418 | 3234 |
| 35 | TCS | 4241 | 4112 | 4039 | 3910 | 3837 | 3708 | 3635 |
| 36 | TATASTEEL | 147 | 144 | 141 | 138 | 135 | 131 | 129 |
| 37 | TAMOTORS | 996 | 946 | 912 | 862 | 828 | 778 | 744 |
| 38 | UPL | 566 | 557 | 545 | 536 | 524 | 515 | 503 |
| 39 | WIPRO | 507 | 496 | 490 | 479 | 473 | 462 | 456 |

2

यून ने दी खुशखबरी!

2 साल तक रॉकेट की स्पीड से दौड़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

भोपाल। 2024 की शुरुआत पर यून ने भारत के लिए अच्छा समाचार दिया है। यून का कहना है कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और 2024 में भी यह दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली इकोनॉमी बनी रहेगी। मजबूत घरेलू मांग तथा मैन्यूफैक्चरिंग एवं सेवा क्षेत्रों में मजबूती से भारत का ग्रोथ रेट 2024 में 6.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र विश्व आर्थिक स्थिति एवं संभावनाएं (WESP) 2024 रिपोर्ट जारी की गई। जिसमें कहा गया कि दक्षिण एशिया की जीडीपी 2024 में 5.2 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। इससे भारत में मजबूत विस्तार का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा जो दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया, 'मजबूत घरेलू मांग तथा विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि के बीच भारत में वृद्धि दर 2024 में 6.2 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2023 के 6.3 प्रतिशत के अनुमान से थोड़ा कम है।' रिपोर्ट के अनुसार, भारत की 2025 में जीडीपी बढ़कर 6.6 प्रतिशत होने का अनुमान है। इस वर्ष भारत में आर्थिक वृद्धि 6.2 प्रतिशत पर 'मजबूत' रहने का अनुमान है, जो मुख्य रूप से मजबूत निजी खपत तथा मजबूत सार्वजनिक निवेश द्वारा समर्थित है। वैश्विक आर्थिक प्रभाग निगरानी शाखा, आर्थिक विश्लेषण एवं नीति प्रभाग (यून डीईएसए) के प्रमुख हामिद रशीद का कहना था कि, 'भारतीय अर्थव्यवस्था ने न केवल इस वर्ष बल्कि पिछले कुछ वर्षों में अपने समकक्षों से बेहतर प्रदर्शन किया है।' 2025 में भी रफ्तार जारी रहेगी यून का कहना है कि भारत की आर्थिक वृद्धि लगातार



यून का कहना है कि भारत की आर्थिक वृद्धि लगातार छह प्रतिशत से अधिक बनी हुई है और हमारा मानना है कि यह 2024 और 2025 में भी जारी रहेगा। इसके साथ ही रिपोर्ट में कहा गया कि सरकारी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और बहुराष्ट्रीय निवेशों के दम पर भारत में 2023 में निवेश मजबूत रहा, जबकि चीन में निवेश संपत्ति क्षेत्र में प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण प्रभावित हुआ।

छह प्रतिशत से अधिक बनी हुई है और हमारा मानना है कि यह 2024 और 2025 में भी जारी रहेगा। इसके साथ ही रिपोर्ट में कहा गया कि सरकारी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और बहुराष्ट्रीय निवेशों के दम पर भारत में 2023 में निवेश मजबूत रहा, जबकि चीन में निवेश संपत्ति क्षेत्र में प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण प्रभावित हुआ।

रिपोर्ट में इस बात को रेखांकित किया गया कि जलवायु-परिवर्तन से संबंधित घटनाएं 2023 में दक्षिण एशियाई क्षेत्र को नुकसान पहुंचाती रहीं। जुलाई और अगस्त में सूखे का प्रकोप बढ़ा जिससे भारत, नेपाल और बांग्लादेश के अधिकतर हिस्से प्रभावित हुए जबकि पाकिस्तान में औसत से अधिक बारिश ने परेशानी खड़ी की। इन आपदाओं का उन देशों में बेहद गंभीर असर होने की आशंका है जहां कृषि का सकल घरेलू उत्पाद में सबसे बड़ा हिस्सा है। भारत चूक अच्छी स्थिति में है इसलिए इसके ग्रोथ करने की संभावना और अधिक दिखाई देती है।

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

Sabse Pehle
Life Insurance

LIC's
New
JEEVAN ANAND

2 IN 1
POLICY WITH
WHOLE LIFE
&
ENDOWMENT
BENEFITS

WITH
PROFITS
ASSURANCE
PLAN

UIN : 512N279V02 (I. No. 915)

A PLAN THAT OFFERS COVER FOR WHOLE LIFE EVEN AFTER PAYMENT MATURITY AMOUNT

ELIGIBILITY CONDITIONS

| | |
|--|---|
| Minimum Age at entry : 18 yrs. (Completed) | Maximum Policy Term : 35 Years |
| Maximum Age at Entry : 50 Years (NBD) | Minimum Sum Assured : Rs. 1,00,000 |
| Maximum Maturity Age : 75 Years (NBD) | (There after in Multiples of Rs. 5,000) |
| Minimum Policy Term : 15 Years | Maximum Sum Assured : No Limit |

BENEFITS

| | |
|------------------------------------|--|
| Premium Paying Mode | Yearly / Half-yearly / Quarterly / NACH and SSS |
| Rebates | Yearly Mode : 2% on Tabular Premium Half-yearly Mode : 1% on Tabular Premium |
| Rebates on High Sum Assured | From Rs. 1,00,000 to Rs. 1,95,000 : No From Rs. 2,00,000 to Rs. 4,95,000 : Rs. 1-50 (For 1000 SA) From Rs. 5,00,000 to Rs. 9,95,000 : Rs. 2-50 (For 1000 SA) From Rs. 10,00,000, and there after : Rs. 3-00 (For 1000 SA) |

MATURITY BENEFIT :
Sum Assured + Reversionary Bonus + Final Additional Bonus, if any

DEATH BENEFIT :
On Death during the Policy Term : Option to take Death Benefit in instalments
Sum Assured on Death + Bonus + Final Additional Bonus, if any
On Death of Policyholder at any time after Policy Term : Basic Sum Assured
(Death Benefit, is defined as : 7 Times of Annualised Premium / 125% of Basic Sum Assured / Less than 105% of all the premiums paid as on Date of Death, whichever is higher).

FACILITIES : Loan, Term Rider, Accidental Death & Disability Benefit Rider (ADDB), Accident Benefit Rider & Critical Illness Benefit Rider, Surrender, Dating Back, etc.

Example : Age : 30 yrs.

| | Policy Term : 16 yrs. | | | Policy Term : 21 yrs. | | | Policy Term : 25 yrs. | | |
|----------------------------------|-----------------------|-----------------|-----------------|-----------------------|------------------|-----------------|-----------------------|------------------|-----------------|
| SUM ASSURED | 10,00,000 | 5,00,000 | 2,00,000 | 10,00,000 | 5,00,000 | 2,00,000 | 10,00,000 | 5,00,000 | 2,00,000 |
| First Year Premium | 76,612 | 38,568 | 15,636 | 56,130 | 28,327 | 11,540 | 45,787 | 23,155 | 9,471 |
| Next Year Premium | 74,963 | 37,737 | 15,636 | 54,922 | 27,717 | 11,291 | 44,801 | 22,657 | 9,267 |
| Maturity Sum Assured | 10,00,000 | 5,00,000 | 2,00,000 | 10,00,000 | 5,00,000 | 2,00,000 | 10,00,000 | 5,00,000 | 2,00,000 |
| Bonus | 7,20,000 | 3,60,000 | 1,44,000 | 10,29,000 | 5,14,500 | 2,05,800 | 12,25,000 | 6,12,500 | 2,45,000 |
| Final Additional Bonus | 25,000 | 12,500 | 5,000 | 1,00,000 | 50,000 | 20,000 | 4,50,000 | 2,25,000 | 90,000 |
| TOTAL MATURITY (Tax Free) | 17,45,000 | 8,72,500 | 3,49,000 | 21,29,000 | 10,64,500 | 4,25,800 | 26,75,000 | 13,37,500 | 5,35,000 |
| Death Benefit after Maturity | 10,00,000 | 5,00,000 | 2,00,000 | 10,00,000 | 5,00,000 | 2,00,000 | 10,00,000 | 5,00,000 | 2,00,000 |

For more details please contact the LIC Agent / Development Officer / CLIA / Nearest Branch Office
Agents' Training Material. For Internal Circulation only. 10 www.licindia.in IRDAI Regn. No. 512

Sewa Health
Tech Innovation Pvt Ltd

AT VERY LOW COST

- ▶ We have Collectively experience of serving over 5 crore Patients in past 8 years.
- ▶ Simultaneously working multi-location hospitals (50 Locations)
- ▶ Managing over 5000 beds simultaneously.
- ▶ Experienced human resource for execution, administration.
- ▶ Hardware & Networking consultancy & support.

FRONT OFFICE

OPD

IPD

DOCTOR PANNEL

PHARMACY

PATHLAB

ACCOUNTS

TPA

OT

SMS

ONLINE CONSULTATION

HUMAN RESOURCES

Call : +91 9826223075

Now We Are Introducing Our Token System Module In Our HMS

आयकर विभाग ने अधिसूचित किए आईटीआर फॉर्म 2,3 व 5

आइये जानते हैं इनकम टैक्स की अहम जानकारी...किस आईटीआर फार्म का क्या है काम

भोपाल। इनकम टैक्स रिटर्न करने की तारीख अब पास आती जा रही है। इस बीच आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2024-25 का कर रिटर्न दाखिल करने के लिए आयकर रिटर्न फॉर्म 2, 3 और 5 को अधिसूचित कर दिया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) ने यह जानकारी दी। सीबीडीटी ने एक बयान में कहा कि आकलन वर्ष 2024-25 में रिटर्न जमा करने के लिए 31 जनवरी, 2024 को आईटीआर-2, 3 और 5 फॉर्म अधिसूचित कर दिए गए हैं। इन फॉर्मों का उपयोग विभिन्न संस्थाओं द्वारा किया जाता है, जिनमें विशिष्ट प्रकार की आय वाले व्यक्ति भी शामिल हैं। आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए आईटीआर-2 और आईटीआर-3 फाइल करने की समय सीमा 31 जुलाई, 2024 निर्धारित की गई है। मुख्य रूप से, इनकम टैक्स ऑडिट वाले और कमर्शियल इनकम वाले करदाताओं को 31 अक्टूबर, 2024 तक आईटीआर-3 जमा करना आवश्यक है।

क्या उपयोग किस फॉर्म का

घोषणा के अनुसार, आईटीआर के 1 से 6 तक सभी फॉर्म अधिसूचित कर दिए गए हैं और ये रिटर्न दाखिल करने के लिए एक अप्रैल, 2024 से प्रभावी होंगे। ऐसे व्यक्ति और हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) जिनकी व्यवसाय या पेशे से आय नहीं है (और आईटीआर फॉर्म-1 (सहज) दाखिल करने के लिए पात्र नहीं हैं), वे आईटीआर-2 दाखिल कर सकते हैं। वहीं व्यवसाय या पेशे से आय वाले लोग आईटीआर फॉर्म-3 दाखिल कर सकते हैं।

» आईटीआर-4 (सुगम) ऐसे निवासी व्यक्तियों, एचयूएफ और फर्मों (एलएलपी के अलावा) के लिए है जिनकी कुल आय 50 लाख रुपये तक है और जिनकी व्यवसाय और पेशे से आय है। वहीं, साझेदारी फर्म और एलएलपी आईटीआर फॉर्म-5 दाखिल कर सकते हैं।



फार्म में क्यों किये गये बदलाव ?

50 लाख रुपये तक की आय वाले व्यक्तियों के लिए आईटीआर-1 फॉर्म दिसंबर, 2023 में अधिसूचित किया गया था जबकि कंपनियों के रिटर्न भरने के लिए आईटीआर-6 फॉर्म जनवरी, 2024 में अधिसूचित किया गया। सीबीडीटी ने कहा, 'करदाताओं की सुविधा के लिए और रिटर्न दाखिल करने में सहूलियत के लिए आईटीआर फॉर्म में बदलाव किए गए हैं।' आईटीआर-4 (सुगम) ऐसे निवासी व्यक्तियों, एचयूएफ और फर्मों (एलएलपी के अलावा) के लिए है जिनकी कुल आय 50 लाख रुपये तक है और जिनकी व्यवसाय और पेशे से आय है। वहीं, साझेदारी फर्म और एलएलपी आईटीआर फॉर्म-5 दाखिल कर सकते हैं। धारा 11 के तहत छूट का दावा करने वाली कंपनियों को छोड़कर बाकी कंपनियां रिटर्न के लिए आईटीआर फॉर्म-6 का इस्तेमाल कर सकती हैं।

High-yielding FDs Time to lock in the rates



upto **9.20%**

AA+ Rating | 12-60M Tenure



BAJAJ FINANCE LIMITED

upto **8.85%**

AAA Rating | 12-60M Tenure



upto **8.15%**

AA Rating | 12-120M Tenure



upto **7.95%**

AAA Rating | 12-120M Tenure

Note: The above interest rates apply to cumulative FDs, avnd are also inclusive of additional benefits offered to senior citizens and women.

Connect with us to know more

Vision Invest Tech Private Limited | (+91)7389912025,7389912001
10613 | visionadvisorymkt@gmail.com

POWERED BY
..i| wealthy

3 reasons why you should invest in ELSS before March 31

- Save taxes up to **Rs 46,800***
- Claim tax rebate up to **Rs 1.50 lakh**
- Helps in creating long term wealth along with **tax saving**



*Saving Rs 46,800 tax is based on peak tax rate of 31.2% (including education cess)

Connect to know more

Vision Invest Tech Private Limited | (+91)7389912025
10613 | visionadvisorymkt@gmail.com

POWERED BY
..i| wealthy